महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय : एक दृष्टि में

शिक्षा के प्रयास को लोक जागरण एवं राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की 1932 ई0 में स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की कड़ी का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसने अपने प्रथम सत्र से ही उच्चशिक्षा की अग्रणी शिक्षण संस्थाओं में अपना स्थान बना लिया है। गोरखपुर पिपराईच मार्ग पर महानगर से सटे इस महाविद्यालय की नींव 29 जून, 2004 को गोरक्षपीठाधीश्वर परमपूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के कर कमलों द्वारा रखी गयी एवं इस महाविद्यालय का उद्घाटन 29 जून, 2005 को पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा किया गया।

उद्देश्य : गुणवत्ता युक्त एवं मूल्य आधारित शिक्षा व्यवस्था के एक मानक केन्द्र के रूप में विकसित किए जाने की योजना से स्थापित यह महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रथम सत्र से ही छात्र/छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान के साथ–साथ संस्कारित जीवन युक्त एवं भारतीय मूल्यों के प्रति आग्रही बनाने का भगीरथ प्रयास प्रारम्भ कर चुका है। हम इस बात का ध्यान रखकर इस संस्था का वातावरण सृजित कर रहे हैं कि यहाँ अध्ययन करने वाला युवा अपने बेहतर जीवनयापन के साथ–साथ देश, समाज एवं परिवार के प्रति अपनी जवाबदेही महसूस करे।

1. महाविद्यालय का शैक्षिक पत्रांग : महाविद्यालयी कार्य संस्कृति के अनुसार 16 जुलाई से द्वितीय व तृतीय वर्ष की कक्षाएँ प्रारम्भ हो जाती हैं एवं 1 अगस्त से प्रथम वर्ष की कक्षाएँ शुरू हो जाती हैं। प्रातः 9.25 बजे तक सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारी महाविद्यालय परिसर में अनिवार्य रूप से उपस्थित हो जाते हैं। सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, राष्ट्रगान, वन्देमातरम् एवं श्रीमद्भगवत्गीता पाठ के बाद कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ होता है।

2. उपस्थिति : महाविद्यालय द्वारा इस बात का प्रयास किया जाता है कि छात्र/छात्राओं की लगभग 75 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित हो और निःसन्देह हम इस कार्य में लगभग सफल रहे हैं।

3. **गणवेश** : महाविद्यालय में प्रत्येक शनिवार/सोमवार और आयोजनों में सुनिश्चित गणवेश लागू है। छात्रों के लिए काली पैन्ट एवं हल्की आसमानी शर्ट, छात्राओं के लिए सफेद चूड़ीदार सलवार युक्त सूट, कर्मचारियों के लिए काली पैन्ट एवं क्रीम शर्ट तथा प्राध्यापकों के लिए काली पैन्ट तथा सफेद शर्ट सुनिश्चित है।

4. **छात्रसंघ एवं छात्र सहभागिता** : छात्र/छात्राओं में नेतृत्व एवं प्रशासनिक कुशलता के विकास हेतु प्रतिवर्ष छात्रसंघ का चुनाव कराया जाता है। प्रतियोगी परीक्षा एवं उपस्थिति के आधार पर कक्षा प्रतिनिधि चुने जाते हैं। चुने हुए प्रतिनिधियों में से ही अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं महामन्त्री के प्रत्याशी होते हैं जिनका चुनाव सार्वजनिक मतदान द्वारा सम्पन्न होता है। इसके अतिरिक्त छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु महाविद्यालय के नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, खेल समिति, पुस्तकालय समिति, प्रयोगशाला समिति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाती है।

5. **छात्र/छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन** : सप्ताह में एक दिन की कक्षाएँ प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र–छात्राओं द्वारा पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर छात्र–छात्राओं को प्राध्यापक पढ़ाने हेतु आमंत्रित करता है। इस प्रकार प्रत्येक सप्ताह प्रत्येक विषय में लगभग 10 छात्र/छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है।

प्रयोगशाला में छात्र-छात्राएँ

6. **मासिक मूल्यांकन** : प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने–अपने प्रश्न–पत्रों में छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक विद्यार्थी की प्रगति आख्या में मूल्यांकन का मासिक विवरण उपलब्ध रहा है।

7. **विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा** : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की परीक्षा के पूर्व महाविद्यालय द्वारा आन्तरिक परीक्षा करायी जाती है। इससे छात्र–छात्राओं को विश्वविद्यालय की परीक्षा का पूर्वाभ्यास होता है एवं प्रश्नपत्रों के प्रारूप के विषय में जानकारी प्राप्त होती है। प्रत्येक छात्र–छात्राओं को मूल्यांकन के उपरान्त उनकी उत्तर पुस्तिका दिखायी जाती है एवं सर्वोच्च तीन उत्तर पुस्तिकाओं को पुस्तकालय में छात्र–छात्राओं के अवलोकनार्थ रखा जाता है। विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रत्येक संकाय के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र–छात्राओं को प्रवेश समिति का सदस्य नामित कर दिया जाता है तथा इसके साथ ही साथ उन्हें प्राध्यापकों के समान पुस्तकालय सुविधा प्रदान कर दी जाती है।

दीवाल पत्रिका

8. **पुस्तकालय** : महाविद्यालय के पुस्तकालय में पाठ्यक्रम की अत्याधुनिक पुस्तकों के संग्रह के साथ–साथ भारतीय धर्म एवं संस्कृति से सम्बन्धित पुस्तकों का भी संग्रह है। प्रत्येक विद्यार्थी को दो पुस्तकों तथा विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रत्येक
संकाय के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र/छात्राओं को प्राध्यापकों के समान पुस्तकीय सुविधा प्रदान की जाती है।

9. **सूचना एवं परामर्श केन्द्र** : महाविद्यालय में सूचना एवं परामर्श केन्द्र का विकास किया गया है जिसमें छात्र–छात्राओं को देश–विदेश के शैक्षिक संस्थाओं के विषय में जानकारी देने के अतिरिक्त मेडिकल, इन्जीनियरिंग, सिविल आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु समय–समय पर सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

10. **राष्ट्रीय सेवा योजना** : भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना महाविद्यालय के प्रारम्भिक सत्र से ही महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं में सामाजिक सेवा के बोध का उन्नयन कर रहा है।

11. **स्वैच्छिक श्रमदान** : प्रत्येक सोमवार/शनिवार को महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक, प्राचार्य, द्वारा सुविधानुसार स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

कक्षाध्यापन में छात्र-छात्राएँ

12. **क्रीडा** : 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है।' विद्यार्थियों को शारीरिक रुप से स्वस्थ बनाये रखने के उद्देश्य से महाविद्यालय में नियमित रुप से अपरान्ह तीन बजे के उपरान्त विभिन्न क्रीडाओं, जैसे– वॉलीबाल, क्रिकेट, बैडमिंटन इत्यादि का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थी अपने रुचि के अनुरुप विभिन्न खेलों में प्राध्यापकों के साथ सहभाग करते हैं।

13. **शिक्षक – अभिभावक बैठक** : महाविद्यालय में वर्ष में दो बार (2 अक्टूबर एवं 26 जनवरी) शिक्षक–अभिभावक बैठक होती है।

14. **शिक्षक मूल्यांकन** : छात्र–छात्राओं द्वारा महाविद्यालय के शिक्षकों का मूल्यांकन अभिमत प्रतिपुष्टि प्रपत्र के माध्यम से छात्र–छात्राओं द्वारा किया जाता है। उक्त मूल्यांकित प्रपत्र प्राचार्य के अतिरिक्त केवल सम्बन्धित प्राध्यापक को उपलब्ध कराया जाता है।

15. **दीवाल पत्रिका** : महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित सम्पादक मण्डल द्वारा दीवाल पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग, चित्र आदि का सम्पादन कर उसे प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवाल पत्रिका पर लगा दिया जाता है।

16. **प्रगति आख्या** : महाविद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिमाह उपस्थिति, मूल्यांकन अंक, कक्षाध्यापन आदि का सम्पूर्ण विवरण 'प्रगति आख्या' में दर्ज होती है। प्रगति आख्या वेबसाइट पर भी उपलब्ध होता है। विद्यार्थी अथवा उसके अभिभावक 'परिचय क्रमांक' (आई.डी.) के आधार प्रतिमाह पर प्रतिमाह देख सकते हैं।

प्रवेश नियमावली

1. आवेदन पत्र को विवरणिका से अलग कर, बाल पेन से साफ अक्षरों में भरकर महाविद्यालय कार्यालय में 5 जुलाई तक जमा कर दें। आवेदन पत्र डाक से भी भेज सकते हैं किन्तु डाक से आवेदन पत्र प्राप्त न होने की जिम्मेवारी महाविद्यालय की नही होगी।
2. आवेदन पत्र के साथ किसी भी प्रकार के प्रमाण पत्र/अंक पत्र की छाया प्रति न लगावें। मात्र आवेदन पत्र भरकर जमा करें। प्रवेश सूची में नाम आने पर साक्षात्कार हेतु उपस्थित होते समय दो फोटो, सभी प्रमाण पत्रों/अंक पत्रों की मूल प्रति एवं छाया–प्रति, स्थानान्तरण प्रमाण पत्र तथा सम्पूर्ण शुल्क साथ लेकर आवें। प्रवेश स्वीकृत होने पर आवेदन पत्र के साथ छाया प्रति लगाना एवं प्रवेश शुल्क तुरन्त जमा करना आवश्यक होगा।
3. आवेदन पत्र में विषय समझकर भरें। एक बार प्रवेश हो जाने के बाद विषय में परिवर्तन नही होगा।
4. प्रवेश हेतु साक्षात्कार के समय वर्ग एवं विषय आदि के चयन हेतु सुझाव भी दिये जायेंगे। यदि छात्र/छात्रा विषय स्वयं न तय कर सकें तो आवेदन पत्र में न भरें।
5. प्रवेश, साक्षात्कार के द्वारा छात्र के मूल्यांकन के आधार पर होगा। साक्षात्कार हेतु इन्टरमीडिएट परीक्षा प्राप्तांक के श्रेष्ठता क्रम में बुलाया जायेगा। उक्त श्रेष्ठता सूची में नाम होने का यह कदापि अर्थ नहीं होगा कि छात्र प्रवेश हेतु अर्ह है।
6. इण्टरमीडिएट की परीक्षा व्यावसायिक वर्ग से उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों की श्रेष्ठता सूची सैद्धान्तिक विषयों के प्राप्तांक के आधार पर निर्धारित होगी, इसमें प्रायोगिक अंक सम्मिलित नही होंगे। यू.पी. बोर्ड एवं केन्द्रीय बोर्ड के प्राप्तांकों में समरूपता लाने हेतु समान स्तर का सिद्धांत लागू किया जा सकता है।
7. एक संकाय में प्रवेश हेतु पंजीकृत आवेदन–पत्र किसी भी दशा में अन्य संकाय में स्थानान्तरित नही किया जायेगा। यदि कोई छात्र एक ही साथ कई संकायों में प्रवेश हेतु आवेदन करना चाहें तो उस अलग–अलग संकायों के लिए अलग–अलग आवेदन करना होगा।
8. भूगोल विषय वे ही ले सकते हैं जिन्होंने इण्टर में भूगोल पढ़ा हो अथवा इण्टर परीक्षा विज्ञान या कृषि से उत्तीर्ण किया हो।
9. सभी संकायों में प्रतिदेय अधिप्रतिनिधित्व तथा आरक्षण, सरकार एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार होगा। प्रबन्ध समिति के द्वारा महाविद्यालय हित में तय किये गये आरक्षण भी मान्य होंगे ।
10. साक्षात्कार हेतु श्रेष्ठता सूची 15 जुलाई को महाविद्यालय के सूचना–पट्ट पर प्रकाशित कर दी जायेगी।
11. श्रेष्ठता सूची में घोषित अभ्यर्थी को निर्धारित तिथि पर साक्षात्कार हेतु प्रवेश समिति के समक्ष प्रस्तुत होना होगा।
12. साक्षात्कार के पश्चात् चयनित अभ्यर्थी यदि उसी दिन निर्धारित शुल्क नही जमा करता है तो प्रवेश के लिए उसका चयन निरस्त माना जायेगा।
13. कोई भी संस्थागत छात्र सम्बन्धित सत्र में परीक्षा की अन्तिम तिथि तक ही संस्था का छात्र माना जायेगा।

आग्रह

- किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए लिया गया शुल्क किसी अन्य पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए न तो समायोजित होगा और न ही वापस होगा। प्रत्येक छात्र/छात्रा को उसके द्वारा जमा की गयी धनराशि की रसीद दी जायेगी।
- प्रत्येक छात्र/छात्रा को प्रति वर्ष परिचय–पत्र में उनकी चरित्र पंजिका दी जायेगी। जिसमें उनकी उपलब्धियों, व्यवहार, उपस्थिति, सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित अन्य सामाजिक गतिविधियों का प्रमाणिक विवरण होगा। उक्त चरित्र–पंजिका को छात्र अथवा छात्र कहीं भी प्रमाण–पत्र के रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे।
- महाविद्यालय द्वारा 'विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा' करायी जायेगी, जिसमें सामान्यतः उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। यह परीक्षा विश्वविद्यालय परीक्षा की तैयारी के लिए करायी जाती है।

- स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) एवं गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पर महाविद्यालय के समारोह में उपस्थित होना अनिवार्य होगा। अनुपस्थित होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।
- ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महराज की पुण्यतिथि सप्ताह समारोह तथा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक समारोह के उद्घाटन (4 दिसम्बर) एवं समापन समारोह (10 दिसम्बर) में प्रत्येक छात्र–छात्रा की उपस्थिति अनिवार्य होगी। 4 दिसम्बर को अनुपस्थित रहने पर 100 रू. अर्थ दण्ड देना होगा।

सुविधाएं

पुस्तकालय

महाविद्यालय में नामांकित प्रत्येक छात्र–छात्रा नियमानुसार पुस्तकालय से पुस्तक प्राप्त करने का अधिकारी होगा, जिसके लिए आवश्यक औपचारिकतायें अभ्यर्थी को पूर्ण करनी होगी।

छात्रावास

महाविद्यालय की छात्राओं के लिए सीमित संख्या में महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स में आवासीय सुविधा उपलब्ध है। छात्राओं को उनकी आवश्यकता, शैक्षिक योग्यता और उनके पैतृक स्थान से दूरी के आधार पर वरीयता क्रम में छात्रावास आवंटित होगा। उक्त छात्रावास का संचालन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा होता है।

छात्रवृत्तियाँ

- राज्य सरकार से प्राप्त विभिन्न छात्रवृत्तियाँ नियमानुसार देय होगी।
- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की ओर से महाविद्यालय में अध्ययनरत योग्यता के आधार पर प्रत्येक कक्षा मे प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को प्रति वर्ष 10 दिसम्बर को योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। महाविद्यालय की प्रत्येक कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र–छात्राओं को प्रतिवर्ष 10 दिसम्बर को पुरस्कृत किया जाता है।
- छात्रों की चतुरस्र योग्यता के आधार पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की समस्त संस्थाओं में श्रेष्ठतम को 1000 रू. की महाराणा मेवाड़ चतुरस्र योग्यता छात्रवृत्ति प्रति वर्ष 10 दिसम्बर को प्रदान की जाती है।
- परिषद् द्वारा ही सर्वोच्च अंक प्रतिशत के आधार पर स्व.डा. हरि प्रसाद शाही स्मारक योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। स्नातक विज्ञान, कला एवं वाणिज्य प्रथम एवं द्वितीय वर्ष मे सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्र–छात्राओं को ठाकुर प्रहलाद मल्ल स्मृति पुरस्कार एवं ठाकुर बेनी प्रसाद सिंह स्मृति पुरस्कार दिया जाता है।

उत्सव एवं विशेष कार्यक्रम

महाविद्यालय में मुख्य रूप से निम्नलिखित अवसरों पर उत्सव एवं विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। स्वतन्त्रता दिवस, ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि, महाराणा प्रताप जयन्ती/पुण्यतिथि, गाँधी जयन्ती, लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती, गणतंत्रता दिवस, संस्थापक सप्ताह समारोह, वार्षिक क्रीड़ा समारोह, संगोष्ठी, विशेष व्याख्यान, विज्ञान मेला आदि। प्रतिवर्ष अगस्त माह में सप्तदिवसीय ब्रह्मलीन दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन महाविद्यालय में किया जाता है।

पाठ्यक्रम

स्नातक (B.A./ B.Sc./B.Com.)

कला संकाय में निम्न विषय समूह उपलब्ध हैं। प्रत्येक वर्ग से केवल एक विषय लिया जा सकता है–

वर्ग अ – समाजशास्त्र / भूगोल / मनोविज्ञान / रक्षा अध्ययन

वर्ग ब – प्राचीन इतिहास / इतिहास / अंग्रेजी / गणित

वर्ग स – राजनीतिशास्त्र / अर्थशास्त्र / हिन्दी

विज्ञान संकाय में निम्नवत विषय समूह उपलब्ध हैं।

वर्ग अ – गणित, भौतिकी, रसायनशास्त्र / रक्षा अध्ययन / इलेक्ट्रानिक्स / सांख्यिकी / भूगोल / मनोविज्ञान / कम्प्यूटर साइंस

वर्ग ब – गणित, सांख्यिकी, कम्प्यूटर साइंस / रक्षा अध्ययन / भूगोल / मनोविज्ञान

वर्ग स – वनस्पति शास्त्र, प्राणि विज्ञान, रसायन शास्त्र / रक्षा अध्ययन / भूगोल / मनोविज्ञान

वाणिज्य संकाय में निम्नलिखित सभी प्रश्नपत्र प्रथम वर्ष में अनिवार्य हैं।

ग्रुप 'बी'	ग्रुप 'सी'	ग्रुप 'डी'
वित्तीय लेखांकन	प्रबन्ध के सिद्धान्त	व्यावसायिक अर्थशास्त्र
व्यावसायिक सांख्यिकी	व्यावसायिक संचार	मुद्रा एवं वित्तीय प्रणाली

वर्तमान सत्र से संचालित परास्नातक पाठ्यक्रम (M.A./ M.Sc.)

कला संकाय	विज्ञान संकाय
प्राचीन इतिहास	रसायन शास्त्र

शुल्क विवरण

स्नातक कला (B.A.)	4,000	स्नातक कला (प्रायोगिक) (B.A.)	4,500
स्नातक विज्ञान (B.Sc.)	10,000	स्नातक वाणिज्य (B.Com.)	8,000
परास्नातक (प्राचीन इतिहास) (M.A.)	10,000	परास्नातक(रसायनशास्त्र) (M.Sc.)	20,000

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : 2010–11)

महाविद्यालय में वृक्षारोपण :

7 जुलाई, 2010 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सदर सांसद एवं गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने आँवला, नीम, जामुन, आम, पीपल के पांच वृक्ष लगाकर पौधा रोपण अभियान का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर 300 पौधे लगाये गये।

महाविद्यालय में वृक्षारोपण

सत्रारम्भ :

शैक्षिक पञ्चांग के अनुसार 16 जुलाई से बी.ए., बी.काम., बी.एस–सी. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हुई तथा 1 अगस्त से बी.ए., बी.काम., बी.एस–सी. प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ की गयी।

देश विभाजन की पूर्व संध्या पर आयोजित व्याख्यान

देश विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान :

13 अगस्त, 2010 को प्रतिवर्ष की भांति देश विभाजन की पूर्व संध्या पर 'देश विभाजन के गुनहगार' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार श्री अवधेश कुमार (नई दिल्ली) तथा मुख्य वक्ता भा. इ. संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बालमुकुन्द जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अशोक श्रीवास्तव, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने की। कार्यक्रम का संचालन स्नातक कला तृतीय वर्ष की छात्रा कु. मुन्नी बर्नवाल ने किया तथा आभार डॉ. विजय चौधरी, प्रभारी, भूगोल विभाग द्वारा किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह :

महाविद्यालय में 15 अगस्त का राष्ट्रीय पर्व उत्साह पूर्वक मनाया गया। ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के पश्चात छात्र/छात्राओं ने अत्यन्त रोमांचकारी एवं देश–प्रेम से ओत–प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। सांस्कृतिक कार्यक्रम सरस्वती वन्दना से आरम्भ होकर राष्ट्रगीत वन्देमातरम् के साथ सम्पन्न हुआ।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह

स्वैच्छिक श्रमदान :

महाविद्यालय में प्रत्येक सोमवार को छात्र/छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

श्रमदान करते प्राचार्य, प्राध्यापक एवं छात्र-छात्रा

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यान–माला : (17–23 अगस्त, 2010)

गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी महाविद्यालय द्वारा 'दिग्विजयनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यान–माला' का आयोजन किया गया। 17 अगस्त को उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पूर्व कुलपति डॉ. शिवमोहन सिंह रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता उ.प्र. हिन्दी संस्थान के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. कन्हैया सिंह ने की। संचालन छात्रसंघ के उपाध्यक्ष श्री प्रदीप पाण्डेय व आभार ज्ञापन, कार्यक्रम के संयोजक संतोष कुमार, प्रवक्ता, भौतिकी ने किया।

व्याख्यानमाला के उद्घाटन सत्र में सम्बोधित करते मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति डॉ. शिवमोहन सिंह

18 अगस्त : व्याख्यान–माला के दूसरे दिन **'क्षार, अम्लीयता और घेंघा का उपचार'** विषय पर बुद्ध पी.जी. कालेज, कुशीनगर के रसायन शास्त्र विभाग के डॉ. योगेन्द्र पाल कोहली का शोधपूर्ण व्याख्यान हुआ।

19 अगस्त : व्याख्यान–माला के तीसरे दिन **'A Garlic is natures boon to mankind'** विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, प्राणि विज्ञान विभाग के प्रो. डी.के. सिंह ने व्याख्यान दिया।

20 अगस्त : व्याख्यान–माला के चौथे दिन दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने **'उत्तरदायित्वपूर्ण जीवन शैली और युवा'** विषय पर व्याख्यान देकर हमें अनुग्रहीत किया।

21 अगस्त : व्याख्यान–माला के पांचवे दिन दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग में उपाचार्य डॉ. श्रीभगवान सिंह ने **'अशान्त भारतीय सीमाएं'** विषय पर अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

श्रमदान करती छात्राएं

छात्रसंघ चुनाव पश्चात् उल्लास में विद्यार्थी

22 अगस्त : व्याख्यान–माला के छठवें दिन मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. गोविन्द पाण्डेय ने **"गोरखपुर परिक्षेत्र : पर्यावरणीय परिदृश्य"** तथा मारवाड़ इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य श्री आर.एन. गुप्ता ने **"आर्थिक नियोजन का महत्व"** विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

23 अगस्त : व्याख्यान माला के समारोप समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष **प्रो. यू.पी. सिंह**, पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **प्रो. रामअचल सिंह**, पूर्व कुलपति, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद एवं पूर्व अध्यक्ष, उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश तथा विशिष्ट अतिथि श्री रामजनम सिंह, प्रधानाचार्य, महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, गोरखपुर रहे।

छात्रसंघ साधारण सभा की बैठक

छात्रसंघ चुनाव :

31 अगस्त, 2010 को छात्रसंघ का चुनाव सम्पन्न हुआ, योग्यता एवं उपस्थिति के आधार पर छात्र प्रतिनिधियों का चुनाव हुआ। तत्पश्चात् 1 सितम्बर को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा महामंत्री का चुनाव हुआ, जिसमें कुल 43 प्रतिनिधियों में से 41 प्रतिनिधियों ने मतदान किया। श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह को अध्यक्ष, श्री विश्वजीत शर्मा को उपाध्यक्ष एवं श्री विनय कुमार शर्मा को महामंत्री चुना गया।

छात्रसंघ : आमसभा

छात्रसंघ की साधारण सभा की बैठक छात्रसंघ अध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह के अन्तिम कार्य दिवस को सम्पन्न होती है।

हिन्दी दिवस पूर्व संध्या पर व्याख्यान : 13 सितम्बर, 2010

महाविद्यालय में हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या पर "स्वतंत्रता के साढ़े छः दशक और हिन्दी की विकास यात्रा" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया जिसके मुख्य वक्ता

विशिष्ट व्याख्यान में बोलते प्रो. शैलेन्द्र नाथ कपूर

प्रख्यात साहित्यकार एवं पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय थे। सभा का संचालन छात्रसंघ अध्यक्ष श्री विश्वजीत शर्मा, स्नातक कला द्वितीय वर्ष ने तथा प्रस्ताविकी डॉ. आरती सिंह, प्रवक्ता, हिन्दी विभाग ने किया।

हिन्दी दिवस पर मु. अतिथि डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय एवं अन्य

विशिष्ट व्याख्यान : 14 सितम्बर, 2010

महाविद्यालय में दीनदयाल उपध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के "प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग" के अन्तर्गत संचालित महात्मा बुद्ध अध्ययन केन्द्र के तत्त्वावधान में 'भगवान बुद्ध एवं उनकी लोकव्यापी शिक्षाएं' विषय पर लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र नाथ कपूर का शोधपूर्ण एवं बोधगम्य व्याख्यान हुआ। प्रस्ताविकी एवं स्वागत श्री लोकेश प्रजापति, प्राचीन इतिहास विभाग तथा संचालन श्री ओमजी उपाध्याय ने किया।

विमर्श – 2010 का विमोचन करते पूज्य सन्तगण

संगोष्ठी : 23 सितम्बर, 2010

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह के अन्तर्गत महाविद्यालय द्वारा श्रद्धांजलि सप्ताह समारोह के चतुर्थ दिन 'छुआछूत राष्ट्रीय एकता में बाधक' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के सानिध्य एवं पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज के मार्गदर्शन में यह संगोष्ठी सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का आयोजन गोरक्षनाथ मंदिर के सभागार में हुआ।

दिग्विजयनाथ श्रद्धांजलि समारोह : 26 सितम्बर, 2010

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्य तिथि समारोह में महाविद्यालय परिवार ने गोरखनाथ मन्दिर के सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में सम्मिलित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इसी समारोह में महाविद्यालय की शोध–पत्रिका "विमर्श 2010" का विमोचन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज एवं पूर्व गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानन्द महाराज जी द्वारा किया गया।

पुरातन छात्र परिषद की बैठक

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन : 02 अक्टूबर, 2010

साधारण सभा में छात्र

महाविद्यालय में शिक्षक–अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में श्री गंगेश्वर दत्त द्विवेदी अभिभावक संघ के अध्यक्ष, श्री सुनील कुमार त्रिपाठी एवं श्री वकील मिश्र–उपाध्यक्ष, डॉ. स्नेहलता त्रिपाठी–सचिव तथा श्री त्रियुगी नारायण व श्रीमती सुनीता जायसवाल–सहसचिव चुने गये।

पुरातन छात्र परिषद् बैठक : 02 अक्टूबर, 2010

महाविद्यालय में पुरातन छात्र परिषद् की बैठक आयोजित की गयी जिसमें वर्तमान सत्र के लिए पुरातन छात्र परिषद् का गठन किया गया। बैठक में श्री सुबोध मिश्र पुरातन छात्र परिषद् के अध्यक्ष, श्री राहुल सिंह–उपाध्यक्ष तथा दीपक कुमार सचिव चुने गये। सदस्य के रूप में कु. जस्मिन चौधरी, कु. शमा अफरोज, अर्चना गुप्ता, सुजीत कुमार सिंह, भीम सिंह, महेश कुमार सैनी, सुमित कुमार त्रिपाठी तथा अरविन्द कुमार शुक्ला आदि चुने गये।

निःशुल्क सिलाई कढ़ाई केन्द्र के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते पूज्य योगी आदित्यनाथ

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई केन्द्र की स्थापना : 13 अक्टूबर, 2010

ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन एवं स्वरोजगार के उद्देश्य से महाविद्यालय में "योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई केन्द्र" की स्थापना की गयी। श्री गोरक्षपीठ द्वारा संचालित गुरु श्रीगोरक्षनाथ सेवा संस्थान एवं महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से स्थापित इस प्रशिक्षण केन्द्र के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की। इसके मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सहारा गोरखपुर के सम्पादक श्री मनोज तिवारी जी रहे। कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. संजीत कुमार गुप्ता, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मुख्य नियन्ता डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन समारोह

राष्ट्रीय संगोष्ठी : 28–30 अक्टूबर, 2010 महाविद्यालय एवं अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के संयुक्त तत्वावधान में 'नाथ पंथ एवं भक्ति आन्दोलन' विषय पर

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पूज्य सन्त श्री विजय कौशल जी महाराज रहे तथा अध्यक्षता गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी एवं महाविद्यालय के प्रबन्धक पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की। विषय की प्रस्तावना

राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह

अभाइसंयो के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिष्ठित पुरातत्त्ववेत्ता प्रो. शिवाजी सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष श्री आशीष जी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कन्हैया सिंह ने किया।

व्याख्यान देते युवा वैज्ञानिक डा. अनन्त नारायण भट्ट

संगोष्ठी में कुल 26 शोध पत्रों का वाचन हुआ। तकनीकी सत्रों में प्रो. वागीश शुक्ल, प्रो. प्रभुनाथ द्विवेदी, डॉ. उदय प्रताप सिंह, डॉ. कुवँर बहादुर कौशिक, डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय, डॉ. रंजीत सिंह, श्री वासुदेवाचार्य, डॉ. चन्द्रमौलि त्रिपाठी, डॉ. विमलेश के शोध–पत्र विशेश रूप से चर्चित रहे।

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानन्द जी महाराज थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी एवं सदर सांसद योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि दिल्ली आई.आई.टी. के प्रो. वागीश शुक्ल एवं डी.वी.एन.पी.जी. कालेज के प्राचार्य डॉ. मयाशंकर सिंह थे।

विशिष्ट व्याख्यान : 3 नवम्बर, 2010

व्याख्यान में डी.आर.डी.ओ. एवं इन्स्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एण्ड एलाइड साइंस के वैज्ञानिक डॉ. अनन्त नारायण भट्ट ने 'ग्रीन हाउस इफेक्ट, सूक्ष्म तरंगीय विकिरणों का मानव शरीर पर दुष्प्रभाव' व इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ साइंस बंगलौर के युवा वैज्ञानिक श्री बृजेश नारायण भट्ट ने 'इंसेफेलाइटिस' विषय पर अपने शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन भौतिक विज्ञान के प्रभारी डॉ. संतोष कुमार ने किया।

शोभा यात्रा का प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते महाविद्यालय के छात्र

संस्थापक समारोह : 4 दिसम्बर, 2010

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक समारोह के उद्घाटन समारोह में निकाली जाने वाली शोभा यात्रा में महाविद्यालय के सभी छात्र/छात्राओं, प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस वर्ष छात्राओं द्वारा "1857 से....अब तक" शीर्षक के अन्तर्गत महिलाओं के बढ़ते कदम तथा देश के विकास में उनका योगदान प्रदर्शित किया गया।

छात्र/छात्राओं द्वारा विविध प्रकार की झाँकियों से युक्त महाविद्यालय को शोभा–यात्रा का सर्वश्रेष्ठ प्रथम पुरस्कार मुख्य अतिथि प्रो. लालजी सिंह द्वारा प्राप्त हुआ।

संस्थापक समारोह में शोभा यात्रा की झांकी

व्याख्यान में प्रो. रामदेव शुक्ल एवं डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत तीनों इकाई का संयुक्त प्रथम एक दिवसीय शिविर 25 दिसम्बर को महाविद्यालय परिसर में आयोजित हुआ। इसके अन्तर्गत छात्र/छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर स्थित सागौन के बागीचे की गुड़ाई एवं सिंचाई तथा भवन के दक्षिणी लॉन की गुड़ाई एवं सिंचाई की गयी।

विशिष्ट व्याख्यान :

'अभियान' संस्था के नेतृत्व में 25 दिसम्बर को 'कन्या भ्रूण हत्या सभ्य समाज के माथे पर कलंक' विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रसिद्ध साहित्यकार एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष आचार्य रामदेव शुक्ल तथा अध्यक्ष किसान पी.जी. कालेज सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय जी थे।

गुरु श्रीगोरखनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक प्रभारी डा. अवधेश अग्रवाल

राष्ट्रीय सेवा योजना का द्वितीय एक दिवसीय शिविर :

राष्ट्रीय सेवा योजना के 'गुरु श्रीगोरक्षनाथ', 'महाराणा प्रताप' एवं 'महन्त दिग्विजयनाथ इकाई' का संयुक्त द्वितीय एक दिवसीय शिविर 2 जनवरी, 2011 को आयोजित किया गया। शिविर में स्वयं सेवक/सेविकाओं द्वारा श्रमदान एवं अभिगृहित ग्राम मंझरिया जंगल धूसड़ में विद्यालय न जाने वाले बच्चों का सर्वेक्षण किया गया। छात्र–छात्राओं ने गांव के लोगों के साथ पूरा दिन बिताया।

उद्घाटन समारोह में मु. अतिथि प्रो. प्रताप सिंह एवं अन्य अतिथि

रक्तदान करता छात्र

विशिष्ट व्याख्यान :

'रक्तदान और सामाजिक भ्रान्तियां' विषय पर 2 जनवरी को महाविद्यालय में व्याख्यान आयोजित हुआ। इस अवसर पर गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने समाज में व्याप्त रक्तदान सम्बंधी भ्रान्तियों एवं वैज्ञानिक तथ्यों पर शोध पूर्ण व्याख्यान दिया तथा छात्र–छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिये। विशिष्ट अतिथि अमर उजाला के वरिष्ठ पत्रकार श्री संजय तिवारी ने भी उपर्युक्त विषय पर प्रेरणादायी व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय विशेष शिविर : 9 से 15 जनवरी, 2011

राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाईयों का संयुक्त सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम मंझरिया को केन्द्र बनाकर छोटी रेतवहिया और हसनगंज में आयोजित किया गया। जिसमें 132 स्वयं सेवक/सेविकाओं ने हिस्सेदारी की। शिविर को उदघाटन समारोह में उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, इलाहाबाद के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध शिक्षाविद् प्रो. प्रताप सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष चरगावां ब्लाक प्रमुख श्री महेन्द्र पाल सिंह तथा मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय

समापन दिवस पर मु. अतिथि श्री बालमुकुन्द जी एवं अन्य

गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. संजीत कुमार गुप्ता थे। 15 जनवरी को शिविर के समापन अवसर पर स्वयं सेवक/सेविकाओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि किसान पी.जी. कालेज सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय तथा विशिष्ट अतिथि दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह एवं डॉ. नीरज कुमार सिंह थे।

व्याख्यान देता छात्र

रक्तदान : 22 जनवरी, 2011

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत गुरू श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक में इक्कीस स्वयं–सेवकों द्वारा रक्तदान किया गया।

शिविर में श्रमदान करते छात्र

गणतंत्र दिवस समारोह :

गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के पश्चात् राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास से गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बालमुकुन्द जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह के विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध रसायन शास्त्री डा. बी.बी. मिश्रा थे। छात्र–छात्राओं ने राष्ट्रभक्ति से ओत–प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता :

छात्र/छात्राओं के समग्र विकास हेतु प्रतिवर्ष की भाँति 28 जनवरी, 2011 को व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के 13 छात्र/छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर अपने शोध–पत्र प्रस्तुत किये। जिसमें प्रमुख रूप से 'इंसेफेलाइटिस : कारण एवं निवारण', 'रबर का प्रयोग एवं उसका दुष्प्रभाव', 'वाइल्ड लाइफ बनाम इनवायरमेन्ट', 'हाइड्रोजन

गांव में जन जागरूकता एवं सर्वेक्षण करते छात्र

बान्डिंग', 'नैनो मैटेरियल्स', 'लिवर (मेमल) का कार्य', 'विटामिन ए की संरचना एवं कार्य', 'फण्डामेन्टल ऑफ मैटरिक्स स्पेस', 'ग्लाइकोलाइसिस', 'प्रकाश (लाइट) के विविध आयाम', 'ट्रेजडी–कामेडी ड्रामा एवं भारतीय संविधान की विशेषता' आदि विषयों पर निष्कर्षात्मक शोध–पत्र प्रस्तुत हुए। इस प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर स्तर में श्री दीपक कुमार–प्रथम, सुश्री अदिति शंकर सिंह–द्वितीय एवं श्री बृजेश मणि त्रिपाठी–तृतीय स्थान पर रहे। स्नातक स्तर में श्री सत्यवान चौरसिया–प्रथम, श्री प्रदीप पाण्डेय–द्वितीय एवं सुश्री स्नेहा मिश्रा–तृतीय स्थान पर रहीं।

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा :

महाविद्यालय में 3 फरवरी से 17 फरवरी, 2011 तक विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, परीक्षा प्रभारी के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुई। परीक्षा परिणाम 22 फरवरी 2011 को घोषित किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर :

24 एवं 26 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया।

भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक ग्राम्य सर्वेक्षण :

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के स्नातक कला–विज्ञान भाग–तीन, भूगोल विषय के अन्तर्गत भौगोलिक सामाजिक एवं आर्थिक ग्राम्य सर्वेक्षण, 22 फरवरी से 3 मार्च तक पूर्ण हुआ।

समावर्तन संस्कार समारोह :

27 फरवरी 2011 को समावर्तन संस्कार समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि 'पद्मश्री' प्रकाश सिंह थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा सेवा आयोग उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रताप सिंह उपस्थित हुए। समारोह की अध्यक्षता योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की।

कार्यशाला : 1 मार्च, 2011

प्रतिवर्ष की भाँति महाविद्यालय में 'शिक्षक, आदर्श एवं व्यवहार' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला तीन सत्रों में सम्पन्न हुई। कार्यशाला का उद्घाटन पूर्व कुलपति एवं उच्च शिक्षा सेवा आयोग उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राम अचल सिंह ने किया तथा अध्यक्षता प्रतिष्ठित साहित्यकार डा. वेद प्रकाश पाण्डेय ने की।

एक दिवसीय कार्यशाला

विश्वविद्यालयी परीक्षा : 10 मार्च से 17 मई, 2011 तक विश्वविद्यालय परीक्षा सम्पन्न हुई

प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष	श्री महन्त अवेद्यनाथ, गोरक्षपीठाधीश्वर
उपाध्यक्ष	प्रो. यू.पी. सिंह, पूर्व कुलपति
प्रबन्धक / सचिव	श्री योगी आदित्यनाथ, सांसद लोकसभा
सदस्य	श्री प्रमोद चौधरी, प्रतिष्ठित व्यवसायी
	श्री धर्मेन्द्रनाथ वर्मा, अधिवक्ता
	श्री पारसनाथ मिश्रा, अधिवक्ता
	श्री प्यारे मोहन सरकार, अधिवक्ता
	श्री गोरक्ष प्रताप सिंह, निदेशक, जी.एन.पब्लिक स्कूल
	श्री योगी कमलनाथ, धर्माचार्य
	डॉ. मयाशंकर सिंह, प्राचार्य
	श्री रामजन्म सिंह, प्रधानाचार्य

शिक्षक–अभिभावक समिति

2 अक्टूबर, 2010 को सम्पन्न शिक्षक अभिभावक बैठक में शिक्षक अभिभावक समिति का गठन किया गया।

अध्यक्ष	श्री गंगेश्वर दत्त द्विवेदी (अभिभावक)
उपाध्यक्ष	श्री सुनील कुमार त्रिपाठी (अभिभावक)
सचिव	डॉ. स्नेहलता त्रिपाठी (प्राध्यापक)
सहसचिव	श्री त्रियुगी नारायण सिंह (अभिभावक)
	श्रीमती सुनीता जायसवाल (अभिभावक)
सदस्य	श्री नृसिंह दूबे (अभिभावक)
	श्री चन्द्रभूशण त्रिपाठी (अभिभावक)
	सुश्री छाया (अभिभावक)
	श्री राघव (अभिभावक)
	श्री बाबूराम चौहान (अभिभावक)
	श्री जोखन प्रसाद चौहान (अभिभावक)

छात्रसंघ

प्रभारी	डॉ. प्रदीप राव	प्राचार्य
अध्यक्ष	श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह	बी.ए. भाग–तीन
उपाध्यक्ष	श्री विश्वजीत शर्मा	बी.ए. भाग–दो
महामंत्री	श्री विनय कुमार शर्मा	बी.एस–सी. भाग–दो

प्रफुल्लचन्द स्नातकोत्तर रसायन छात्र परिषद्

अध्यक्ष	श्री दीपक कुमार
उपाध्यक्ष	श्री अविनाश यादव
मंत्री	श्री श्याम नारायण धर दूबे
कोषाध्यक्ष	सुश्री प्रियंका शाही

छात्रसंघ के प्रतिनिधि

श्री शंकर निषाद	बी.ए. भाग–एक	समाजशास्त्र
सुश्री रीता सिंह	बी.ए. भाग–एक	हिन्दी
श्री राम प्रताप पाल	बी.ए. भाग–एक	राजनीतिशास्त्र
सुश्री विभा शर्मा	बी.ए. भाग–एक	अर्थशास्त्र
सुश्री सुमन	बी.ए. भाग–एक	अंग्रेजी
श्री सुजीत कुमार सिंह	बी.ए. भाग–एक	प्राचीन इतिहास
सुश्री पूनम साहनी	बी.ए. भाग–एक	भूगोल
सुश्री मंजूलता शर्मा	बी.ए. भाग–दो	समाजशास्त्र
सुश्री मीरा	बी.ए. भाग–दो	हिन्दी
सुश्री बेबी यादव	बी.ए. भाग–दो	अर्थशास्त्र
श्री अवधेश भारती	बी.ए. भाग–दो	अंग्रेजी
सुश्री निशा निषाद	बी.ए. भाग–दो	प्राचीन इतिहास
श्री दीपक कुमार सिंह	बी.ए. भाग–दो	भूगोल
श्री अनुराग शाह	बी.ए. भाग–तीन	समाजशास्त्र
सुश्री आरती गुप्ता	बी.ए. भाग–तीन	हिन्दी
श्री सत्या प्रजापति	बी.ए. भाग–तीन	प्राचीन इतिहास
श्री रमजान अली	बी.एस–सी. भाग–एक	गणित
सुश्री अर्चना द्विवेदी	बी.एस–सी. भाग–एक	भौतिकी
श्री अवनीश पाण्डेय	बी.एस–सी. भाग–एक	रसायनशास्त्र
सुश्री जाह्नवी सिंह	बी.एस–सी. भाग–एक	प्राणि विज्ञान
सुश्री स्नेहलता चौहान	बी.एस–सी. भाग–एक	वनस्पति विज्ञान
श्री मनीष कुमार त्रिपाठी	बी.एस–सी. भाग–दो	भौतिकी
श्री सतीश गौड़	बी.एस–सी. भाग–दो	रसायनशास्त्र
सुश्री शर्मिला निषाद	बी.एस–सी. भाग–दो	प्राणि विज्ञान
सुश्री सविता प्रजापति	बी.एस–सी. भाग–दो	वनस्पति विज्ञान
श्री राकेश यादव	बी.एस–सी. भाग–तीन	गणित
श्री आलोक रंजन शुक्ला	बी.एस–सी. भाग–तीन	रसायनशास्त्र
सुश्री अंजली सिंह	बी.एस–सी. भाग–तीन	प्राणि विज्ञान
श्री सुधीर मिश्रा	बी.एस–सी. भाग–तीन	वनस्पति विज्ञान
श्री राहुल पाण्डेय	बी.काम. भाग–एक	वाणिज्य (ग्रुप–बी)
श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह	बी.काम. भाग–एक	वाणिज्य (ग्रुप–सी)
श्री कुलदीप गुप्ता	बी.काम. भाग–एक	वाणिज्य (ग्रुप–डी)
श्री रवि रंजन दीक्षित	बी.काम. भाग–दो	वाणिज्य (ग्रुप–ए)
श्री विपिन सिंह	बी.काम. भाग–दो	वाणिज्य (ग्रुप–बी)
श्री नन्हें कुमार गुप्ता	बी.काम. भाग–दो	वाणिज्य (ग्रुप–सी)
सुश्री ज्योत्सना सिंह	बी.काम. भाग–तीन	वाणिज्य (ग्रुप–डी)

छात्रसंघ पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण राज्य सरकार के अध्यादेश के कारण न हो सका।

प्रयोगशाला समिति

प्रभारी	श्री सत्यप्रकाश सिंह	प्राध्यापक
सदस्य	श्री रमजान अली	बी.एस–सी. भाग–तीन
	श्री आलोक रंजन शुक्ल	बी.एस–सी. भाग–तीन
	सुश्री सविता प्रजापति	बी.एस–सी. भाग–दो

छात्रा समिति

प्रभारी	डॉ. आरती सिंह	प्राध्यापक
सदस्य	सुश्री बबिता शर्मा	बी.काम. भाग–तीन
	सुश्री पूनम साहनी	बी.एस–सी. भाग–एक
	सुश्री श्वेता सिंह	बी.ए. भाग–दो
	सुश्री रीया सिंह	बी.ए. भाग–एक
	सुश्री विनिता सहानी	बी.ए. भाग–दो

प्रार्थना एवं स्वच्छता समिति

प्रभारी	श्रीमती कविता मन्ध्यान	प्राध्यापक
सदस्य	श्री विनय कुमार शर्मा	बी.एस–सी. भाग–दो
	सुश्री अंजली सिंह	बी.एस–सी. भाग–तीन

पुस्तकालय तथा सूचना एवं परामर्श समिति

प्रभारी	श्री संतोष कुमार	प्राध्यापक
	श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	प्राध्यापक
सदस्य	सुश्री पूनम साहनी	बी.एस–सी. भाग–एक
	सुश्री शर्मिला निषाद	बी.एस–सी. भाग–दो
	श्री सुधीर मिश्र	बी.एस–सी. भाग–तीन
	सुश्री अर्चना द्विवेदी	बी.एस–सी. भाग–एक

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

प्रभारी	श्री लोकेश कुमार प्रजापति	
सदस्य	सुश्री जान्हवी सिंह	बी.एस–सी. भाग–एक
	सुश्री विभा शर्मा	बी.ए. भाग–एक
	सुश्री सुमन	बी.ए. भाग–एक
	श्री मनीष त्रिपाठी	बी.ए. भाग–दो
	सुश्री बेबी यादव	बी.ए. भाग–दो
	सुश्री मंजूलता शर्मा	बी.ए. भाग–दो

बागवानी समिति

प्रभारी	डॉ. प्रदीप राव	प्राचार्य
सदस्य	सुश्री आरती गुप्ता	बी.ए. भाग–तीन
	सुश्री सत्या प्रजापति	बी.ए. भाग–तीन
	श्री राकेश यादव	बी.ए. भाग–तीन
	श्री रणविजय कुमार गुप्ता	बी.काम. भाग–तीन

खेल समिति

प्रभारी	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह	प्राध्यापक
सदस्य	श्री सुजीत कुमार सिंह	बी.ए. भाग–एक
	श्री सतीश गौड़	बी.एस–सी. भाग–दो
	श्री राम प्रताप पाल	बी.ए. भाग–एक
	श्री शंकर निषाद	बी.ए. भाग–एक
	श्री अवधेश भारती	बी.ए. भाग–दो

पुरातन छात्र परिषद्

प्रभारी	डॉ. प्रदीप राव, प्राचार्य
अध्यक्ष	श्री सुबोध मिश्र
उपाध्यक्ष	श्री राहुल सिंह
सचिव	दीपक कुमार
सदस्य	सुश्री जैसमीन चौधरी
	सुश्री शमा अफरोज
	सुश्री अर्चना गुप्ता
	श्री सुजीत कुमार सिंह
	श्री भीम सिंह
	श्री महेश कुमार सैनी
	श्री सुमित कुमार त्रिपाठी
	श्री अरविन्द कुमार शुक्ला
	सुश्री रत्ना सिंह
	सुश्री बबिता सिंह
	श्री अश्विनी यादव
	सुश्री रिंकी पाण्डेय
	सुश्री पूनम शर्मा
	श्री आकाश श्रीवास्तव

नियन्ता मण्डल

मुख्य नियन्ता	डॉ. पुरूषोत्तम पाण्डेय
नियन्ता	डॉ. राजेश शुक्ल
	श्री सन्तोष कुमार
	श्री मनोज कुमार वर्मा
	श्रीमती कविता मध्यान
	श्री नन्दन शर्मा
	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

सत्र : 2011–12

प्रवेश समिति

संयोजक	डॉ. रघुबीर नारायण सिंह
सदस्य	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल,
	डॉ. आरती सिंह
	श्री संतोष कुमार, श्री सुभाष कुमार

चक्रानुक्रम में सभी प्राध्यापकों का सहयोग लिया जाता है।

नियन्ता मण्डल

मुख्य नियन्ता	डॉ. विजय चौधरी
नियन्ता	डॉ. राजेश शुक्ल,
	डॉ. राजेन्द्र तिवारी
	डॉ. मनीषा कपूर, डॉ. आरती सिंह
	श्री पुरूषोत्तम पाण्डेय

प्रवेश समिति

संयोजक	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
सह संयोजक	डॉ. रघुबीर नारायण सिंह
	डॉ. शालिनी सिंह
	श्री नन्दन शर्मा

चक्रानुक्रम में सभी प्राध्यापकों का सहयोग लिया जाता है।

छात्र प्रवेश परामर्श समिति

श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह	(बी.ए. भाग–तीन)
सुश्री चन्दा उपाध्याय	(बी.ए. भाग–तीन)
श्री लवकुश कुमार प्रजापति	(बी.एस–सी भाग–दो)
श्री सतीश गौड़	(बी.एस–सी भाग–दो)
सुश्री सविता प्रजापति	(बी.एस–सी भाग–दो)
सुश्री अराधना दीक्षित	(बी.एस–सी भाग–दो)
श्री सुधीर मिश्रा	(बी.एस–सी भाग–तीन)
सुश्री शालिनी शुक्ला	(बी.एस–सी भाग–तीन)
श्री विपिन कुमार सिंह	(बी.कॉम. भाग–दो)
सुश्री ज्योत्सना सिंह	(बी.कॉम. भाग–तीन)

प्रवेश समिति में उन छात्र–छात्राओं को चयनित किया जाता है जो विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपने वर्ग में सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हैं।

छात्र नियन्ता मण्डल

श्री विश्वजीत शर्मा	बी.ए. भाग–दो
श्री विपिन सिंह	बी.काम. भाग–दो
श्री अवधेश यादव	बी.ए. भाग–दो
श्री दीपक सिंह	बी.ए. भाग–दो
श्री अर्जुन निषाद	बी.ए. भाग–तीन
श्री कुलदीप गुप्ता	बी.काम. भाग–एक

छात्र प्रवेश परामर्श समिति

शुभम् गौड़	बी.एस.–सी. भाग–एक
सतीश गौड़	बी.एस.–सी. भाग–दो
लवकुश कुमार प्रजापति	बी.एस.–सी. भाग–दो
मनीष कुमार त्रिपाठी	बी.एस.–सी. भाग–दो
सविता प्रजापति	बी.एस.–सी. भाग–दो
शर्मिला निषाद	बी.एस.–सी. भाग–दो
रीता सिंह	बी.ए. भाग–एक
ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह	बी.ए. भाग–तीन
चन्दा उपाध्याय	बी.ए. भाग–तीन
अमन कुमार वर्मा	बी.काम. भाग–दो
राधेश्याम गुप्ता	बी.काम. भाग–दो
अखिलेश तिवारी	बी.काम. भाग–दो

प्रवेश समिति में उन छात्र–छात्राओं को चयनित किया जाता है, जो विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपने वर्ग में सर्वोच्च अंक प्राप्त करते ।

महाविद्यालय परिवार(2010–11)

अध्यक्ष
गो. महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज
प्रबन्धक
पू. योगी आदित्यनाथ जी महाराज
प्राचार्य
डॉ. प्रदीप राव

डॉ. विजय कुमार चौधरी	प्रभारी	भूगोल विभाग
डॉ. रघुबीर नारायण सिंह	प्रभारी	प्राणि विज्ञान विभाग, प्रभारी कार्यालय
डॉ. स्नेहलता त्रिपाठी	प्रभारी	वनस्पति विज्ञान विभाग, प्रभारी, शिक्षक–अभिभावक समिति
डॉ. शिवकुमार बर्नवाल	प्रभारी	रसायन शास्त्र विभाग, संयोजक प्रवेश एवं परीक्षा नियंत्रक
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह	प्रभारी	राजनीतिशास्त्र विभाग, कार्यक्रम अधिकारी, रासेयो, क्रीडा प्रभारी
डॉ. शालिनी सिंह	प्रवक्ता	रसायन शास्त्र, प्रभारी विज्ञान संकाय
श्री लोकेश कुमार प्रजापति	प्रभारी	प्राचीन इतिहास, कार्यक्रम अधिकारी, रासेयो, सांस्कृतिक कार्यक्रम
श्रीमती कविता मध्यान	प्रभारी	अंग्रेजी विभाग, प्रार्थना एवं स्वच्छता
श्री पुरूषोत्तम पाण्डेय	प्रभारी	अर्थशास्त्र विभाग, मुख्य नियन्ता
श्री संतोष कुमार	प्रभारी	भौतिक विज्ञान विभाग, पुस्तकालय तथा सूचना एवं परामर्श
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव	प्रवक्ता	वनस्पति विज्ञान विभाग, प्रभारी प्रयोगशाला
डॉ. प्रवीन्द्र कुमार	प्रवक्ता	भूगोल विभाग, प्रभारी कला संकाय
श्री प्रकाश प्रियदर्शी	प्रभारी	समाजशास्त्र विभाग
डॉ. राजेश शुक्ला	प्रभारी	वाणिज्य विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क
श्री सत्यप्रकाश सिंह	प्रवक्ता	प्राणि विभान विभाग, प्रभारी प्रयोगशाला
डॉ. आरती सिंह	प्रभारी	हिन्दी विभाग
श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	प्रभारी	गणित विभाग, सूचना एवं परामर्श
श्री मनोज वर्मा	प्रवक्ता	गणित विभाग
श्री नन्दन शर्मा	प्रवक्ता	वाणिज्य विभाग, प्रभारी वाणिज्य संकाय
श्री सुभाष गुप्ता	प्रवक्ता	वाणिज्य विभाग, प्रभारी छात्रावास
डॉ. मनीषा कपूर	प्रवक्ता	रसायन शास्त्र विभाग
श्री ज्ञानेश्वर सिंह	प्रवक्ता	भौतिक विज्ञान विभाग
डॉ. राजेन्द्र तिवारी	प्रवक्ता	सांख्यिकी विभाग
डॉ. बी.बी. मिश्र	प्रवक्ता	रसायन शास्त्र विभाग
श्रीमती अनिता सिंह	प्रशिक्षक	बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढाई प्रशिक्षण केन्द्र
श्रीमती बबिता गौड़	प्रशिक्षक	बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढाई प्रशिक्षण केन्द्र

चतुर्थ श्रेणी

श्री ओम प्रकाश	परिचर
श्री रामरतन	परिचर
श्री विश्वनाथ	परिचर
श्री जोगिन्दर	परिचर
श्री शिवशंकर	परिचर
श्री धर्मवीर	माली

ग्रन्थालयी

श्री शिव प्रसाद शर्मा

तृतीय श्रेणी कर्मचारी

श्री सुभाष कुमार, कार्यालय प्रमुख, श्री लक्ष्मीकान्त दूबे, कार्यालय सहायक, श्री संजय कुमार शर्मा, कम्प्यूटर आपरेटर, क्रीडा सहायक श्री प्रदीप यादव, प्रयोगशाला सहायक, वनस्पति विज्ञान विभाग श्री शिव सहाय श्रीवास्तव, प्रयोगशाला सहायक, भूगोल विभाग, श्री संतोष श्रीवास्तव, प्रयोगशाला सहायक, भौतिक विज्ञान, श्री ब्रह्मदेव मिश्र, प्रयोगशाला सहायक, रसायन शास्त्र, श्री राम उमेश साहनी, प्रयोगशाला सहायक, प्राणि विज्ञान विभाग